This question paper contains 3 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

7759 A

M.A./II

HINDI (हिन्दी)

Group B—Reetikaleen Kavya

(वर्ग ख—रीतिकालीन काव्य)

Paper 14—(Reeti Kavya Dhara : Lakshya Granth)

प्रश्न-पत्र 14—(रीति काव्य धारा : लक्ष्य ग्रन्थ)

(प्रवेशवर्ष 2000 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट— प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बेद राखे बिदित पुरान परसिद्ध राखे राम नाम राख्यो
अति रसना सुधर मैं।
हिंदुन की चोटी, रोटी राखी है सिपाहिन की काँधे मैं
जनेऊ राख्यो माला राखी गर मैं।

[P.T.O.

मोड़ि राखे मुगल मरोड़ि राखे पातसाह बैरी पीसि राखे
बरदान राख्यो कर मैं।
राजन की हद्द राखी तेग बल सिवराज दैव राखे देवल
स्वधर्म राख्यो घर में।

अथवा

धन संच्यौ किहि काम कौ खाउ खरच हरि प्रीति।
बंध्यौ गंधीलौ कूप जल बढ़ै बढ़ै इहि रीति।।
कहा होय उद्यम किए जौ प्रभु ही प्रतिकूल।
जैसे उपजे खेत कौं करै सलभ निरमूल।।

(ख) भुज मृनाल सम लाल कमल से पानि सोम सरसाने।
कमल कली सी अंगुलि करकी नख मनि की दुति छाने।।
नवल नून के फल सी ठोड़ी गोल-गोल तिलवारी।
रस सिंगार को बीज मनोहर कै अलि छोनि सुखारी।।

अथवा

ललन चलन सुनि महि गिरी मुख कफरी लखि बीर।
तरफराति है राति तें मनु सफरी बिनु नीर।।
तुमहिं सुधा सानी कहो बानी रस सरसात।
करि यारी हरि सों न करि करियारी सी बात।। 7 7

2. 'भूषण की कविता जातीय चेतना की कविता है', इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'शिवा बावनी' के परिप्रेक्ष्य में भूषण की वर्णन-कला का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। 12

3. सतसई परम्परा में 'नीति-सतसई' का महत्त्व बतलाइए।

अथवा

'नीति-सतसई' के आधार पर वृन्द की सामाजिक चेतना पर विचार कीजिए। 12

4. 'शशिनाथ-विनोद' के आधार पर सोमनाथ की अभिव्यक्ति-कला पर विचार कीजिए।

अथवा

'राम-सतसई' के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 12